


---

# Bharata Gitika

——  
भारतगीतिका

——  
Document Information



---

Text title : Bharata Gitika 2

File name : bhAratagItikA2.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Transliterated by : Sumedh Sathaye

Proofread by : Sumedh Sathaye

Latest update : September 1, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 1, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Bharata Gitika

---

### भारतगीतिका

---



अलं भारतीया मतानां विभेदै-  
रलं देशभेदेन वैरेण यालम् ।  
अयं शाश्वतो धर्म एको धरायां  
न सम्भाव्यते धर्मतत्त्वेषु भेदः ॥ १ ॥

दया भूतसंज्ञे, मतिर्देवदेवे  
यतुर्वर्गायिन्ता, विरोधाद् विरामः ।  
मनःकायवाक्शोधने यैव बुद्धिः  
परं धर्मतत्त्वं विरोधोऽत्र केषाम्? ॥ २ ॥

नराः सर्व एकेकमीशं भजन्ते  
स षशः परं नामभेदेन भिन्नः ।  
समुद्भासितो धर्म एतेन यैको  
विचिन्त्येति को वर्ततां भेदवादे? ॥ ३ ॥

कलिङ्गाङ्गवङ्गान्ध्रकद्राविडादी-  
नुपाधीन् विहायैक्यमालम्ब्य भूयः ।  
अये भारतीयाः, पुरेवात्मरूपं  
लभध्वं, यशश्चन्द्रशुभ्रं तनुध्वम् ॥ ४ ॥

Encoded and proofread by Sumedh Sathaye

---



*Bharata Gitika*

pdf was typeset on September 1, 2024

---



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

